

DPN 6800

वासः दयेकेगु विधि- WĀSAH DAYEKEGU VIDHI

Title :

Run. No. 7525

Cat. No. 36

Micro. No.

Subject *Medicine*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. / Hindi

Size in cms. 16.5 x 14.5

Folios 24 Lines ( in a page )

✓  
Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

✓  
Scribe / donor

बाबानानी बैद्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Baba Nani Baidya

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Beg. ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥

॥ नृपां स्वप्न (दे) शमा वता दयेके  
P.T.O.



॥ श्रीसर्गाक्षर्यगभैरवायनमोः ॥



ॐ नमः श्रीभुक्तनाथया आग्या ॥ हृषीकेशाय  
 वतादयके ॥ ओमलीवदयके ॥ थोवासवताससोथा  
 ने थोयापिनेनकृद्विकनिनभुने थोयादेवनेधुरी  
 नभुने थोमलीहादिशचिनीपाउ व तये थोदे  
 वनेवासतये वद्धीधनेदयकीसोथानेहनीहादि  
 सचिनीदीकैतये हादिशकपर्मदिविये ३ तिभा  
 लसगानकीपायेभुथुलीसतये हिंसायायेस  
 मजछाये ॥ थुलीधुनेदीमीतये चदिहिदि  
 मीदुये ॥ मिदुवस्मनेचदिहिदिहेलवयकेम  
 दुस्वांगसितलयाडावलीकाये ॥ ताम्रतोहा

१ वासदुयेने २ लुमुयु ॥ वासथो ॥ पारातो  
 ला १ लीलाथुर्तति १ फइगीरितो १ थुलीचा  
 था लासदायेके ॥ लीकायावतुइकावीरस्वी  
 यातितनियेप्रहर १ थुलीधुनेदीवाससोथारो  
 गुलोभुम् ॥ " " "  
 जस्तापाउ १ सालुकेदायावतुकुरा २ यायेकुचीला  
 पाउ १ ॥ नीडावर्नकासदयेकावथोयादुनेज  
 स्तातयेकुचीलाचुनेतुतोपुयेहादीगे १ ससा  
 मरचिपाउ ४ थोचिवद्धीलाय थोयादेवनेजस्ता  
 मोरातये साम्राचिदेवनेदकस्मीनेइलेतोपुये



पर्मदि, विद्येनेभासप्रयेहु, तोथोनेलीपुथु  
लीसतयेसियाआवदीयेहिदितरवाउकाव  
लीकायेताप्रतोलावरकालावषाकतो॥५॥  
येसुवर्णमुयु॥ " " "

गंधकतो॥ पारातो॥ वयकत्रगर्भुजाईकारसले  
मर्दत्रगर्भु, रूपाकोपातामातेप्रमुवेर॥ यकारु  
तु, रूपाकोसुवर्णमुयु॥ " " "

श्रीसोर्माकषतायतमः॥ लीगलीयाहाभाग॥ वस्त्रा  
सुगुविषभाग॥ वसिधुवीभाग॥ वस्त्रभागीवर्णया  
डगावसिजलयापातासप्रयेकपर्मतिविद्याव

पुतवीयेसुवर्णमुयु॥ " " "

ममसिलाभाग॥ वगीधक॥ रसकपूर॥ कास्मेरि  
केशर॥ लीपाकालज्यामीपारससपहरदि॥  
चलयायेथुलीवासलीस्येलाडगावकोवास्मे  
पातादायावप्यायेगजपुतविगेहकर्मवहेवा  
सलयिलेहर्गजमष्टद्विंथुगुप्रकारि॥ ६०॥ पुटवि  
ये॥ थोसोडुरस्तहहसांतोदयावर्णमुयु॥ ६४॥  
पतोलावहकालावथोवस्तुतोला॥ ५॥ येथो  
पुर्काशुवर्णमुयु॥ " " "



अथासायगा ॥ गंधक १ तुत १ चुकखलगराता  
 मायाता तोला १ माले पगरी कासका वतुकमा  
 हाही सुर्ये पाक गरी राखतु सुक्या पछी अयाना  
 गको स्सहा लीदिनु पानी होई जीव नु यो पानी  
 मा सिंच्यता तोला १ सो मघा तोला १ पारा तो  
 ला १ हाही घलगर्नु सिसा तोला १ पातावना  
 ई यसे सिसा मा हाही सुका उतु माता का भा  
 दा मा हाही क घर्मती गरि गुई था का आचमा  
 गजपुठदिनु वाग घहे होई छ प्रसम मध्ये तावा  
 तोला १४ मा छेदिदिनु सुतई छ नु तिथये ॥

कौतुक रत्न भेदा रोक्ता सायत १३ पदवत्ता

ईश्वर वाच ॥ गोमूत्र हरिताली चर्चक चमक शिला मू  
 सम २ गृहीत्वा तु यावच्छुष्यति पेयत ॥ सकादशदि  
 नै यावच्छुष्यति रक्षयेत्सुधी ॥ मंत्रे ताधूपदि पादि मे  
 वे शे दुग्ध संयुते ॥ मंत्र ॥ ॐ नमो हरि हराय सायत  
 सिद्धिं कुरु २ स्वाहा ॥ धार १०००० ॥ जपात् सिद्धि ॥  
 सवी गो रक्त कृता वेष्ट्य वस्त्रेन यत्रत ॥ मृत्तिका ले  
 पयेत्तस्य क्षार्यां शुक्लीं तु कारयेत् ॥ गर्ते कुंडे विनि  
 क्षिप्य पलाशकाष्ठं वह्निं कुरु ॥ अष्टपुहं पश्यं  
 तं नात्यथा शङ्करोदितम् ॥ तद्भस्म जायते सिद्धम्  
 द्विसिद्धिप्रदायकं ॥ तावपान्त्रे उति मध्ये तु विस्तु







विपतिहासु ४ प्रहसनी आचदिगुप्तोपाकापदिगि  
तोडिछुहि की वन तुली कारसनाबुदाईदिगुजम  
द चादिईछु

पारतो १ सीउदि कोडुद तो २ सिधुदी कारसतो २  
सिधुतुका एसापदी घलगु भित्त २ गरीष लगु  
वाकलो ईछु सवैमिली घलगरी सक्या पछिसिलिना  
हली कपा मदि हासी वालुवाभागादि आचदिगु  
मद चादिईछु

पारतो १ सिउदि कोडुद तो २ कागति का अमिलो  
ता २ पारो सिउदिडुद यके थारुमा साकगरी

घलगु वाकलो ईछु वाकलो भयापछी तेसेका  
गती का अमिलो हासी पिसतु जमद चादिईछु  
भनिजागु

रसायनावताउन्मा ॥ ॥ अयानार्गकाजरा दात पात  
पञ्चाङ्ग जे धेरै ल्याई पोखु रवानी तुल्याउनु तेही  
घरनी हवालमाहाली येक भादामा रसतुहाउनु ता  
हायछी फलाम्या भादामा समाधार राषी वालुका जीव  
माराखनु ताहायछी येक भादामा सिके जाय छेदग  
नु तेसे भादामा अयानार्गका घरनी को रस हातु र वालु  
वाका जीव को हाडी को खुरवना समलधार माथ  
पारसुयनी गरी वनाउनु युहामा थी तेही  
आचदिगु वाकी रस भिज्यापछी उता



१३३३ ताहापदी अस्ता तोला ११ तावो तोला १३३३  
 थोक लाई रंतो रंतो गरी भैसी का गोवामा ७७ वेरु  
 हाउनु ह्यो आना २ भरी वुहा याको तावो  
 ह्याउपिक गुयागुर चोकाचा घास घास १३ गुघासया  
 रस १ आकयाडुडु १ सिषाडुडु १ ॥ वसति ॥ नक्षत्र रो  
 हीनी १ मृगशीरा २ चित्रा ३ थोते नक्षत्र सहाउनु गुसा  
 लाचकाव तोला ५ धिनु राऊ कोचादि वनायाको मारा  
 धि पहेलो तामा गाली सेतो घोरना कय मदी गरी  
 बालुवा यंत्रमा आचदिनु प्रहर १० स्री ह्याउसलाती  
 ३ स्री काही सारी धन वरु मुई थुगु वरु सरी २ नलु  
 १३३३ १३३३

चौदिको क्रिया

वास तोला १ सिंगुप तोला १ सिषा तोला १ घेतो थो  
 क यकठा गरी धिनु प्रहर ६ बालुवा यंत्रमा हाली आ  
 चदिनु सीसी भयापनी भादामा भयापनी राखि प्रह  
 र १२ आचदिनु रिगाली सिद्ध

हउगुठिक्रिया

अह वृदी २ ॥ तपकि हतो लु तोला ३ मोसागर तो १ तो  
 मा ~~तप~~ मासा ६ स्वलाय प्रहर २ ईता जंत्रमा आ  
 चदिनु प्रहर ४ पाताला जंत्रमा भयापनि ऊँ ह बालु  
 वा जंत्रमा पति ऊँ ह प्रहर ८ शेतो पति ओषती प्रह  
 लोपनी वषधी ऊँ ह



इनपुस्तकिया.

अमलासार गंधक तोला २ खल गनु पहर ४ घाताल  
 जत्र गरी आच दिनु पहर ४ बुती २ कूर दिनु रंगी  
 ली सिद्ध  
 पारो तोला २ पकी हरिताल तो १ अमलासार गंधक तो १  
 मतसिला तो मासा ६ लुगजु स्वात पारसु तो ६ हाथतु  
 घासु तो ६ पाउं घासु तो ३ तकु स्वात पारसु तो २ कागती तो १॥ आकया डुड तो १॥ खल गनु पहर  
 ८ आच १२ पहर बालु वाजत्र पतालु जत्र गनु प  
 या गुई धाना को आच पहर आठ दता वो गाली सि  
 क तोला १ मारी ३ हातु स्वात भुत्ता को धुलो रती १ मा  
 लो को कीया

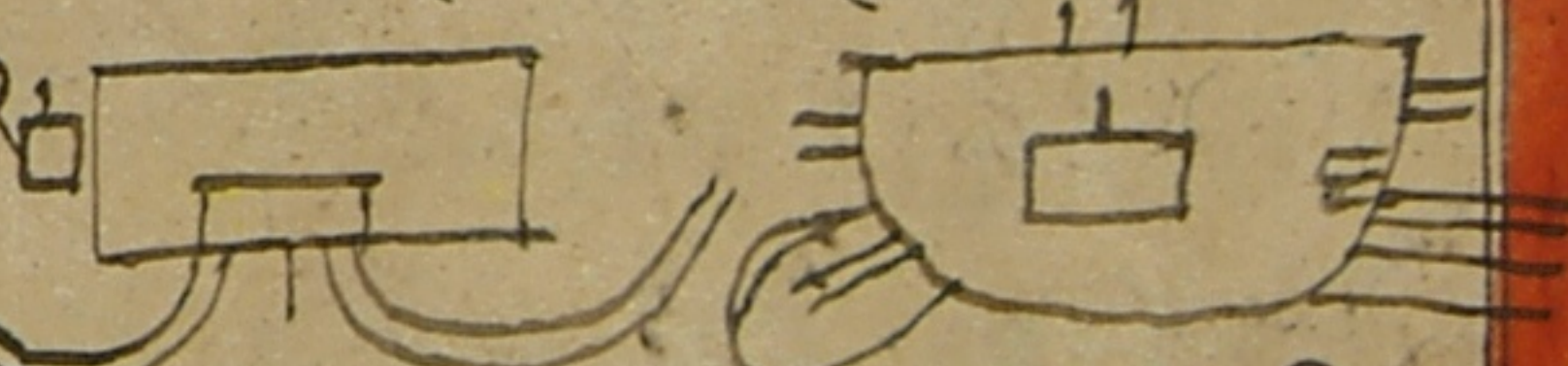
भृंगी फ ममसील हरिताल गंधक फूट गिरी शो रंगा कु  
 माल वारी सो मी सागर ईशव चीज को घल करना मी लाइ  
 के ठिक रंगो चुरावना खदवदा यतद उतार लेना चांदिके  
 पत्र मो लेप करके आच देना सात लेप सात तद होगा के  
 चन जो रचना चकाव चन है आच आरत गो यठाका  
 गंधक तोला १ हरिताल तोला १ ममसील तोला १ सींगरी फ  
 तोला १ पलास के फुल के रस मो घल करना ताजारस  
 बलवार पहर के रची दि पत्र मो लेप करना सात आच देना  
 लेप सात के चन होयगा  
 रस कर्पूर तोला ४ पारा तो २ मी सागर तो २ तिनो चीज को मी  
 लावना अवलासार गंधक मासा ४ दे के वगैरे दो के डुद मो घ  
 ल करना चार महिना खदेव लेना सीस पर वाक ले



आचरेना कपर कूट कर के फेर सवना प्राता सा अक सीर  
होगा ॥ ॥

कली सोरा आध पाव वघो दाके इद मेषल कार वसरो  
जमो मोगा अक सीर है यवे ठक है रीग तावा चौदि गु  
दा मुदा दे प्रलेता फीरु भि दुद मोष लहोगा वघो दा  
मो महीना भर तो लजील करेगा सुहीगा भि उले तरह  
सो ॥ सो मला पीला गंधक पिपीला फूल परा सका  
यो सेना उतो की बल कराना तव ले पकरना चौदि के  
पत्र मो लेपु आच आरना मो इठाका ॥

संबुल पार पाछ मो मारे

पारा सि सा मिलाय के बांध कराना सी सा सि र भर पारा  
सिर भर हरी ताल आध पाव सी गरीफ आध पाव सोम  
र पार आध पाव नौ सागा आध पाव ये सव चीज को  
मीलाय के लाहा का संपुत दस सो लोहा का पेच दू  
र मन भर को इलाका आंच होंगा संपुट कर के भथिल  
आच कराना भाथि २५   
फीर की शोभा पीस  
ता फकीर के पीच मो तावां का पत्र विद्या देना तव उसको  
आंच देना गज पूट का प्रहर ४ तावां लजील होगा मेलक  
चनका कांति होगा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥



खोपसतकर्वहि १ मिजलकर्व ३ भनयासपाकस्वह  
 गाविकुदिछोयकाकंसपादु ० शदायकेप्रथमपाक  
 गुलो ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 सोमखार मंस २ नवसागर मंस २ सोहंगाविकु  
 तिहाछेतुअर्कदावनेयाव पाए मंस ४ × नाप  
 वाराव द्वितियपाक शछोय सोमखार छोय भन  
 यासहंग्वातनीयोय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 हरीताल भाग ४ विषभाग ५ शुद्ध पाए भाग ३ सखभ  
 ग १ व्याकन पातयाव तसिपाउ शहिदितियेः का  
 र्गंगा लेया जव हिं बुवेद वोथुगु वासतये थुगु

प्रकार स्वक काले सिद्धः ॥ ॥ ॥ ॥  
 लीलाधुति तोला ४ मी ८ पाए मी ३ हींगुल मी ३ मी  
 क मी ३ स्वहंगा मी ३ थोते नाप तयाव स्वाले शभया  
 १ शसशद्धिक तियेः ताप्रपात्रे लेपतयाये काले  
 सिद्धः ॥ हनीरा ३० श पात्रे शलेय काले सिद्धः ॥ ॥  
 सुहार्गेश भा. तांवां कापत्र आधपाव संमुल आधपाव  
 संमुल तावा मोनचिऊपादेता फेर सुहंगा केवी चवा  
 देता चार प्रहा का आंच देता त्रिधारा हृद भी देता आध  
 सा उमे के वीच मो गजपूट मो फूक देता उज्वल होंगा  
 लक्ष्मी गा चउथाई २ घेला रिसो होंगा ॥ ॥



॥ गर्मीकादवा उपदेवा ॥

गुजाती अलेची मासा २ स्वंगा भुजा मासा २ सेंडा मासा २  
अफीम मासा २ सींगरिफ मासा २ कुकुरे धाके ससोषल  
कुकुरे टिकीया वना उता वेरका अग्नि सात पिता तव गर्मी  
जायेगा वाव जायेगा ॥ ॥ मुदा शीख तोला १ तुतीया तो  
फदगीरी तो १ येती तो चीज को जलाये लेता तुलसी के  
रस मोषल करता तव गोली वाध के घाते देता इदकी  
मलाइ मोषी लाउता इद भात घाते को देता सातरोज  
मे उपदेश छुतेगा ॥ ॥ शृंगरिफ तोला १ जाये फल  
तो १ मदा का छालो १ ये ओषध तीतोषल करता मा  
साभका टिकीया इद भात घाता घान भीति आरोज  
सा घात तव मुह अछा होगा सातरोज पिदेगा चि  
दोनो वषत पीता गर्मी उपदेश छुतेगा सें



दुतीया तोला १ मदी का दाला जा भासा ३ कागजीनी  
 बुके समो बल करणा मटर भाको गो लिकरणा पुग  
 ता गुद सेष निंदना घाना घुगेटी आध पाव घुगु  
 राना सुगर्मी उष दंडा अछा होये ॥ ॥ अजमुदातो  
 १ वायु विदंग तो १ घुगुसानी अजवान तो १ देसी अ  
 जवान तो १ येसव अजमोदादि गुग्गुलु पाक मेदेष  
 लेना ॥ ॥ गंधक काले तिल के तेल मेजला वना  
 खुजली डाड जायेगा ॥ ॥ तिल काले तेल से १ गंध  
 क मनशील धुहाका इद मरीच घुगुसानी अजवा  
 क मालकां गुनी सेवे आधा २ पाव लेना येक टाका  
 मेमिला वना जला जाये तव निकालनाद

ही आध पाव तेल छटी क भा मी लाय के लग विषु  
 जली डाड छटी राखव छुट जाये ॥ ॥ अफीम विषमा  
 वदनाग विष सोम लव कुचि जाय फल दाल चीनी क  
 ठकरी लवीग हिडू सलगम पिलास सिडू रायो येरो  
 गत सभ छतांक २ भा लेना मिलाव शिशि मे भराणा  
 पाता लयंत्र कर के तेल लेना तवना मर्द मर्द होगा मज  
 पुट होये ॥ ॥ घुगुना गुद से १ भेलो से १ पाव छती  
 क भा १ मीसरी छती क भा आध घुगु अजमुदा  
 पाव भा सोमल घा छटी क भा जीरा आधा पाव श  
 भरी जको मी लाय के फूके गा शात पहरी अ  
 दिना सातरो जके वीच मो सात आच पहा



मोक्षलक्षणा धिउकुमारिके समेनित्ताउता एकतोहोगा.  
तव आचदेता तव जोषा कहोगा. सर्वगोपा चलेगा सर्वसं  
निपातपादेता पक्ष्याघातदुरेगा. ॥ ॥

















20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35





20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35



